प्रसार भारती
भारतीय प्रसारण निगम
आकाशवाणी केन्द्र शिमला
26.05.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15:00बजे

पंचायत चुनाव

प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं के पहले चरण के लिए आज मतदान शांति पूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गया। पहले चरण के तहत प्रदेश की एक हजार 2 सौ 93 पंचायतों के लिए सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ जो दोपहर बाद 3 बजे तक चला। कुछ पंचायतों में अभी भी मतदान जारी है। ये वो पंचायतें हैं जहां लोग वोट डालने के लिए कतारों में लगे हैं। पंचायत प्रधान, उपप्रधान व वार्ड सदस्यों के लिए डाले गए वोटों की गिनती अब से कुछ देर बाद शुरू हो जाएगी और शाम तक सभी नतीजे घोषित कर दिए जाने की उम्मीद है। इस बार आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष व पारदर्शी बनाने के लिए मत पेटियों में स्कैनर की सुविधा शुरू की है जो मतों की गणना तक निगरानी में सहायक सिद्ध होगी। मतगणना में कोई भी गड़बड़ी रोकने और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए चुनाव आयोग ने शत–प्रतिशत मतदान केन्द्रों को सीसीटीवी कवरेज से जोड़ा है।

मतदाता

इस बीच आज पंचायत चुनाव के पहले चरण के मतदान को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया। पहली बार मतदान करने वाले युवाओं से लेकर उम्र दराज मतदाताओं तक ने लोकतंत्र के इस महापर्व में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। हमीरपुर ज़िला की टिक्करी मिन्हासा पंचायत के वार्ड नम्बर–एक में समलोग गांव से सौ वर्षीय रेश्मो देवी भी वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पहुंची। अधिकांश मतदान केन्द्रों पर गर्मी के चलते सुबह के वक्त मतदाताओं की जोरदार भीड़ उमड़ी और लोग कतारों में खड़े होकर मतदान के लिए अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

निर्वाचन आयोग

इस बीच कुल्लू ज़िला में दोपहर बाद 2 बजे तक 60 दशमलव 2 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस दौरान आनी विकास खंड में लगभग 56 प्रतिशत, बंजार में 58 प्रतिशत, भुंतर और कुल्लू विकासखंडों में 61 प्रतिशत, नग्गर में 60 प्रतिशत और निरमंड में 59 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मंडी और हमीरपुर ज़िलों में एक बजे तक 50 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। शिमला ज़िला की अधिकांश पंचातयों में भी भारी मतदान की सूचना है। रोहड़ू और कसुम्पटी विधानसभा क्षेत्र की कई पंचायतों के मतदान केन्द्रों पर अभी भी मतदाता कतारों में वोट डालने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। आज हुए पंचायत चुनावों में महिलाओं ने भारी संख्या में मतदान में हिस्सा लिया। ऊना ज़िला में एक बजे तक 69 दशमलव एक–तीन प्रतिशत महिलाओं और 62 दशमलव एक–चार प्रतिशत पुरूष मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था। ज़िले में भीषण गर्मी के बावजूद भारी संख्या में मतदाता लोकतंत्र के इस उत्सव में बढ़चढ़ कर भाग ले रहे हैं। लाहौल स्पीति ज़िला में भी भारी मतदान की सूचना है, यहां 11 बजे तक लगभग 32 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग कर लिया था।

मुख्य सचिव

हिमाचल प्रदेश सरकार ने कार्यवाहक मुख्य सचिव संजय गुप्ता को इस पद पर नियमित नियुक्ति दे दी है। संजय गुप्ता को मुख्य सचिव के पद पर ये नियमित नियुक्ति उनकी सेवानिवृति से 5 दिन पूर्व दी गई है। वे 31 मई को सेवानिवृत होने जा रहे है। उनकी पदोन्नति संबंधी अधिसूचना आज कार्मिक विभाग द्वारा जारी कर दी गई है।

बस सेवा

लेह–लद्दाख को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से जोड़ने वाले देश के सबसे लंबे बस रूट पर हिमाचल पथ परिवहन निगम की दिल्ली–केलंग–लेह बस सेवा आज से एक बार फिर शुरू हो गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक केलंग अंशित शर्मा ने कहा 9 सौ 90 किलोमीटर लंबा ये रूट स्थानीय लोगों सहित पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र रहती है। ये बस लाहौल स्पीति के प्रमुख पर्यटन स्थलों जिस्पा, दारचा, बारालाचा और सरचू से होती हुई लेह तक पहुंचेगी।

एचआरटीसी केलांग अपना सबसे लंबा रूट दिल्ली केलांग लेह को रिज्यूम करने जा रहा है। ये रूट हमारा दिल्ली से शुरू होगा। दिल्ली से 12. 20 इसका समय रहेगा और ये सुबह 5 बजे केलांग पहुंचेगी। केलांग से सुबह 5.30 बजे बस शुरू होगी और वह बारालाचा पास, नकीना पास, तंगलला पास होते हुए लेह पहुंचेगी। ये पूरा सफर दिल्ली से 990 किलोमीटर का रहेगा और इसका किराया 1840 रूपए रहेगा। टूरिस्ट की मूवमेंट स्टार्ट हो चुकी है। पब्लिक और टूरिस्ट के लिए यह बहुत अच्छा अवसर रहेगा कि वह इस रूट का आनंद लें।

सड़क मार्ग

लाहौल और स्पीति को जोड़ने वाला लोसर–ग्राम्फू–चंद्रताल सड़क मार्ग हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दिया गया है। लाहौल स्पीति ज़िला प्रशासन और सीमा सड़क संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि फिलहाल इस मार्ग को फोर बाई फोर हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए खोला गया है। सड़क के पूरी तरह तैयार हो जाने पर अगले कुछ दिनों में इसे भारी वाहनों की आवाजाही के लिए भी खोल दिया जाएगा। ज़िला प्रशासन ने ये भी कहा कि इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही मौसम और सड़क की स्थिति पर निर्भर करेगी। ज़िला प्रशासन ने यात्रियों से प्रशासन द्वारा जारी दैनिक एडवाइजरी का पालन करने की अपील की है। इस बीच भूस्खलन के कारण मुलिंग पुल के पास अवरूद्ध हुआ मनाली–लेह मार्ग भी हल्के वाहनों की आवाजाही के लिए बहाल कर दिया गया है।

इसी के साथ ये समाचार बुलेटिन समाप्त हुआ–नमस्कार।